हमने बनाया कोरोना के खात्मे का वैक्सीन

दावा कोरोना वायरस वैक्सीन के विकास का चरण अब पूरा

■इजरायल के रक्षा मंत्री नफताली बेन्नेट का बड़ा दावा

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

यरुशलम। इजरायल के रक्षा मंत्री नफताली बेन्नेट ने सोमवार को दावा किया कि देश के डिफेंस बायोलॉजिकल इंस्टीट्यूट ने कोरोना वायरस का टीका बना लिया है। उन्होंने कहा कि इंस्टीट्यूट ने कोरोना वायरस के एंटीबॉडी को तैयार करने में बड़ी सफलता हासिल की है। रक्षा मंत्री बेन्नेट ने बताया कि कोरोना वायरस वैक्सीन के विकास का चरण अब पूरा हो गया है और शोधकर्ता इसके पेटेंट और व्यापक पैमाने पर उत्पादन के लिए तैयारी कर रहे हैं।

इजरायल के पीएम बेंजामिन नेतन्याहू के कार्यालय के अंतर्गत चलने वाले बेहद गोपनीय इजरायल इंस्टीट्यूट फॉर बायोलॉजिकल रीसर्च के दौरे के बाद बेन्नेट ने यह ऐलान किया। रक्षा मंत्री के मुताबिक यह एंटीबॉडी मोनोक्लोनल तरीके से कोरोना वायरस पर हमला करती है और बीमार लोगों के शरीर के अंदर ही कोरोना वायरस का खात्मा कर देती है।

बयान में कहा गया है कि कोरोना वायरस के वैक्सीन के विकास का चरण अब पूरा हो गया है। डिफेंस इंस्टीट्यूट अब इस टीके को पेटेंट कराने की प्रक्रिया में है। इसके अगले चरण में शोधकर्ता अंतरराष्ट्रीय कंपनियों से व्यवसायिक स्तर पर उत्पादन के लिए संपर्क करेंगे।

बेन्नेट ने कहा, इस शानदार सफलता पर मुझे इंस्टीट्यूट के स्टाफ पर गर्व है। रक्षा मंत्री ने अपने बयान में यह नहीं बताया कि क्या इस वैक्सीन का इंसानों पर ट्रायल किया गया है या नहीं।

कोरोना से दुनियाभर में 2,52,407 लोग मारे गए: बेन्नेट ने अपने बयान में कहा कि इजरायल अब अपने नागरिकों के स्वास्थ्य और अर्थव्यवस्था को फिर से खोलने की प्रक्रिया में संतुलन बनाने की कोशिश कर रहा है। इजरायल के रक्षा मंत्री का यह दावा अगर सही है तो कोरोना से कराह रही दुनिया के लिए उम्मीद की किरण खुल जाएगी। कोरोना वायरस से अब तक दुनियाभर में 2,52,407 लोग मारे गए हैं और 36 लाख से ज्यादा लोग इससे संक्रमित हैं।

कोरोना वायरस महामारी से निपटने के लिए दुनियाभर में वैक्सीन बनाने का काम चल रहा है। ब्रिटेन की ऑक्सफर्ड यूनिवर्सिटी इंसानों पर सबसे बड़ा ट्रायल कर रही है। उधर, चीन और अमेरिका में भी इंसानों पर बड़े पैमाने पर कोरोना वैक्सीन का ट्रायल चल रहा है। भारत की भी कई कंपनियां कोरोना का वैक्सीन बनाने में जुटी हुई हैं।

न्यूज डायरी

जब बेल्जियम के डेप्युटी पीएम, दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति नहीं लगा पाए मास्क

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) ब्रसल्ज। क्या मास्क पहनना काफी कठिन काम है? हममें से अधिकांश यही कहेंगे, ये कौन सा बड़ा काम है। लेकिन दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति और बेल्जियम के डेप्युटी पीएम को देखकर तो यही लगता है कि उनके लिए मास्क पहनना बहुत बड़ा काम है, जब वे मास्क से मुंह की जगह आंख ढंकते नजर आए। बेल्जियम के डेप्युटी पीएम कोएन गीन्स 2 मई को सिलाई की दुकान का दौरा कर रहे थे जहां वॉलिंटियर्स ने 35 हजार से अधिक मास्क बनाया था। लेकिन जब उन्होंने उसे पहना तो देखकर यही लगा जैसे उन्होंने कभी मास्क न पहनी हो और उन्हें मास्क पहनने की ट्रेनिंग की जरूरत है। वह कभी अपने माथे तो कभी आंखों को कवर कर रहे थे। गीन्स ने पहले मास्क से सिर को ढंका और फिर आंखों को ढंक लिया। इसके बाद बड़ी जद्दोजहद के बाद वह वह अपनी मुंह और नाक को ढंक पाए। यह सारा कुछ कैमरे में कैद हो गया क्योंकि उस वक्त वहां मीडिया मौजूद थी।

अमेरिका ने कहा, 2020 राष्ट्रपति चुनाव में रूस हस्तक्षेप कर सकता है

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वाशिंगटन। अमेरिका में गृह सुरक्षा मंत्रालय और एफबीआई ने राज्यों को इस साल की शुरुआत में आगाह किया था कि रूस 2020 के अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में प्रत्याशियों और उनके चुनाव प्रचार अभियान को चोरी–छिपे सलाह देकर चुनाव प्रक्रिया में हस्तक्षेप करने की कोशिश कर सकता है। संवाद समिति एपी को मिले दस्तावेजों (मेमो) से यह जानकारी सामने आई है। तीन फरवरी के इस दस्तावेज में उन युक्तियों का ब्योरा नहीं दिया गया है जिनका प्रयोग अमेरिकी अधिकारियों के अनुसार रूस इस साल के चुनाव में हस्तक्षेप के लिए कर सकता है। इनमें प्रत्याशियों और चुनाव अभियान को गोपनीय सलाह देना भी शामिल है। इसमें कहा गया कि अधिकारियों ने, "अमेरिका के खिलाफ रूस के इस प्रयास पर पहले गौर नहीं किया" लेकिन रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के करीबी एक शक्तिशाली कारोबारी के लिए काम करने वाले राजनीतिक रणनीतिकार कई अफ्रीकी देशों में राजनीतिक प्रचार अभियान में शामिल रहे हैं।

ट्रंप ने भारतीय मूल की अमेरिकी अधिवक्ता को संघीय अदालत का जज नामित किया

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारतीय मूल की अमेरिकी अधिवक्ता को न्यूयॉर्क की संघीय अदालत में बतौर न्यायाधीश नियुक्त किए जाने के लिए सोमवार को नामित किया। न्यूयॉर्क के पूर्वी जिले के लिए अमेरिकी जिला अदालत के न्यायाधीश के तौर पर नामित, सरिता कोमातीरेड्डी, एक अभियोजक हैं और कोलंबिया लॉ स्कूल में कानून पढ़ाती हैं। व्हाइट हाउस ने बताया कि ट्रंप ने सोमवार को उनका नामांकन अमेरिकी सीनेट को भेजा। इससे पहले वह इसी जिला अदालत के पूर्व न्यायाधीश ब्रेट कैवनॉ के तहत लिपिक का काम कर चुकी हैं। कोमातीरेड्डी फिलहाल न्यूयॉर्क पूर्वी जिले के लिए अमेरिकी न्यायवादी कार्यालय में सामान्य आपराधिक मामलों की उपप्रमुख हैं।

कोरोना ने बदली दी सारी व्यवस्था, अब टेलिफोन से सुप्रीम कोर्ट करेगा सुनवाई

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वॉशिंगटन। कोरोना वायरस महामारी में दुनिया की सारी व्यवस्थाएं बदल गई हैं। कोर्ट रूम सुनवाई की जगह अब टेलिफॉनिक सुनवाई लेने जा रहा है। जी हां, इतिहास में पहली बार ऐसा होने जा रहा है जब न्याय फोन के माध्यम से मिलेगा। यह व्यवस्था अमेरिका की एक अदालत में की गई है क्योंकि जजों की उम्र 65 साल या उससे अधिक है और उनके कोरोना से संक्रमित होने का खतरा है। उल्लेखनीय है कि कोरोना वायरस से सबसे अधिक प्रभावित लोगों में बुजुर्ग ही शामिल हैं। इस प्रयोग की शुरुआत सोमवार से हो रही है जब कोर्ट नियमित रूप से अपनी सुनवाई को लाइव स्ट्रीम करेगा। कोर्ट 6 दिनों में 10 मामलों की सुनवाई करेगा जब लोग कोर्ट की सुनवाई को सुन सकेंगे। मामले की सुनवाई अगले दो सप्ताह के बीच होगी।

चीन में कोरोना के 16 नए मामले कुल संख्या 82,881 हुई

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

बीजिंग। चीन में कोरोना वायरस के 16 नए मामले सामने आने के बाद देश में वायरस के मामले बढ़कर 82,881 हो गए हैं। एनएचसी ने बताया कि इन 16 लोगों में से 15 में कोविड–19 के कोई लक्षण नहीं थे लेकिन वे जांच में संक्रमित पाए गए।

वहीं एक अन्य व्यक्ति शंघाई में संक्रमित मिला जो विदेश से आया था। उसने बताया कि इसके साथ ही बिना लक्षण के संक्रमित पाए गए 15 नए मामलों के साथ ऐसे मामलों की संख्या अब 947 हो गई है, जिनमें से 94 बाहर से आए थे। ये सभी चिकित्सीय निगरानी में हैं।ये बिना लक्षण वाले वे मरीज हैं, जिनमें कोरोना वायरस के बुखार, खांसी या गले में दर्द जैसे कोई लक्षण नहीं थे लेकिन फिर भी ये जांच में संक्रमित पाए गए।

इनसे दूसरों के संक्रमित होने का खतरा भी है। उसने बताया कि सोमवार को स्थानीय संक्रमण का कोई नया मामला नहीं आया। कोविड–19 से संक्रमित 395 लोगों का इलाज जारी है। सरकारी समाचार एजेंसी 'शिन्हुआ' के अनुसार देश में कोविड–19 से सोमवार को किसी की जान नहीं गई और मृतक संख्या 4,633 ही रही। एनएचसी ने बताया कि कोविड–19 के मामले देश में बढ़कर 82,881 हो गए हैं।

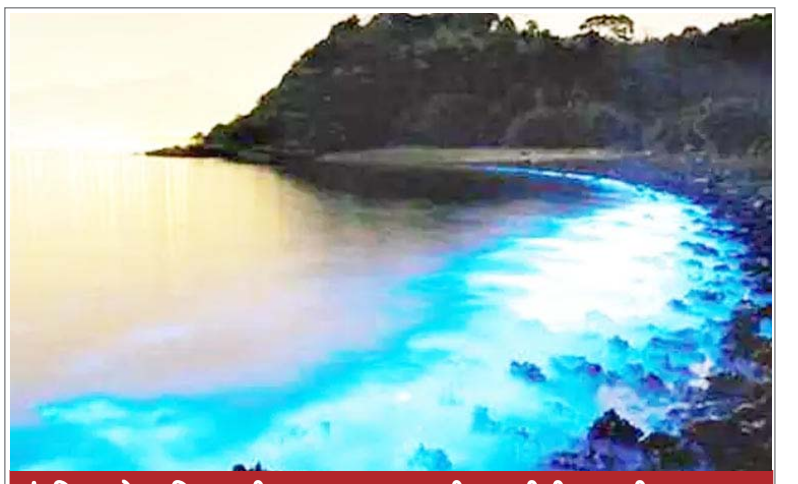

अंतरिक्ष से दिख्र रही अरब सागर की जहरीली समुद्री चमक

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) अमेरिका। अंतरिक्ष से दिख रही अरब सागर की जहरीली समुद्री चमक, दक्षिण एशिया के 15 करोड़ लोगों के लिए बड़ा संकट बर्फ का खजाना कहे जाने वाले हिमालय के ग्लेशियर पिघलने का बेहद गंभीर असर अब समुद्र पर भी दिखाई देने लगा है। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा के ताजा शोध से पता चला है कि हिमालय की बर्फ पिघलने से अरब सागर में बड़े पैमाने पर जहरीला हरा शैवाल फैल रहा है। भारत, पाकिस्तान और खाड़ी देशों के तटों पर फैल यह शैवाल इतना विशाल है कि उसे अंतरिक्ष से भी असानी से देखा जा सकता है।

तंजानिया में बकरी और फल भी निकले कोरोना पॉजिटिव

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

डोडोमा (तंजानिया)। पूर्वी अफ्रीकी देश तंजानिया में बकरी के कोरोना पॉजिटिव पाए जाने के बाद राष्ट्रपति जॉन मागुफुली ने टेस्ट किट पर सवाल उठाए हैं। दरअसल, तंजानिया में रविवार को एक बकरी और एक खास तरह का फल पॉपॉ में कोरोना वायरस के होने की पुष्टि हुई। इसके बाद राष्ट्रपति जॉन मागुफुली ने कहा कि टेस्ट किट सही नहीं है और उसकी जांच होनी चाहिए।

राष्ट्रपति जॉन मागुफुली ने कहा कि हमारे यहां विदेश से कोरोना वायरस की टेस्ट किट आई हैं, जो गड़बड़ हैं। उन्होंने कहा, ऐसा कैसे हो सकता है कि पॉपॉ फल और बकरी भी कोरोना पॉजिटिव निकले। राष्ट्रपति मागुफुली ने इसे लेकर सेना को कहा है कि टेस्ट किट की जांच कराएं, क्योंकि जांच करने वाले लोगों ने इंसानों के अलावा भी सैंपल जमा किए थे।

राष्ट्रपति जॉन मागुफुली ने टेस्ट किट पर सवाल उठाए, कहा–टेस्ट किट सही नहीं

कोरोना वायरस के ये सैंपल बकरी, पॉपॉ फल और भेड़ से लिए गए थे। सैंपल को जांच के लिए तंजानिया की लैब में भेजा गया, जहां बकरी और पॉपॉ फल कोरोना पॉजिटिव निकले। इसे लेकर देश में कई तरह के सवाल भी उठ रहे हैं। उधर, यहां के विपक्ष ने सरकार पर कोरोना वायरस संक्रमण के मामले को दबाने का भी आरोप लगाया है।

चुपके से दफनाए जा रहे कोरोना से मरने वालों के शव

कोरोना वायरस महामारी की वजह से दुनिया के लगभग सारे देश प्रभावित हैं। अधिकांश देशों में कोरोना मरीजों की वजह से अस्पतालों में जगह नहीं बची है, तो कई देशों में शवगृहों तक में शवों में रखने की जगह कम पड़ रही है। इस बीच, पूर्वी अफ्रीकी देश तंजानिया में कोरोना वायरस से मरने वालों के शवों को रात में चुपके से दफनाने का विडियो वायरल हो रहा है। इससे कोरोना वायरस से निपटने के सरकार के तरीके पर भी सवाल उठने लगे हैं।

एंकरेज डेली न्यूज, प्रो पब्लिका को मिला पब्लिक सर्विस अवार्ड

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) न्यूयॉर्क। न्यूयॉर्क टाइम्स, एंकरेज डेली न्यूज, प्रो पब्लिका को पुलित्जर पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। देर रात इन पुरस्कारों की घोषणा हुई। तीनों को अमेरिका में भ्रष्टाचार, लॉ इन्फोर्समेंट, यौन हिंसा और नस्लभेद जैसे विषयों पर पड़ताल करती रिपोर्ट्स के लिए पुरस्कार मिले। न्यूयॉर्क टाइम्स की झोली में 3 अवॉर्ड आए। एंकरेज डेली न्यूज, प्रो पब्लिका को सबसे प्रतिष्ठित माना जाने वाला पब्लिक सर्विस अवॉर्ड मिला। इन्हें अलास्का में यौन हिंसा की पड़ताल करती इन्वेस्टिगेटिव रिपोर्ट्स के लिए पुरस्कार मिला। इनके अलावा द न्यू यॉर्कर को दो अवॉर्ड मिले हैं। वहीं द वॉशिंगटन पोस्ट, असोसिएटेड प्रेस, द लॉस एंजिलिस टाइम्स, द बाल्टिमोर सन, द फीलिस्तीन हेराल्ड प्रेस को भी अलग–अलग खबरों के लिए पुलित्जर पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। कोरोना वायरस के संक्रमण की वजह से पिछले महीने बोर्ड ने पुरस्कार विजेताओं के नामों की घोषणा स्थगित कर दी थी। पुलित्जर पुरस्कार देने वाली संस्था के अनुसार बोर्ड के ज्यादातर पत्रकार महामारी की रिपोर्टिंग करने में लगे हुए थे।